

भक्तिमार्ग में लक्ष्मी को महादानी दिखाते हैं।

महादानी की निशानी

बाबा कहते हैं कि. (लक्ष्मी का हाथ खुला, देने के रूप में दिखाया जाता है) सम्पत्ति झलकती रहती है।

❶ यह शक्तियों का यादगार है। लक्ष्मी अर्थात् सम्पत्ति की देवी।

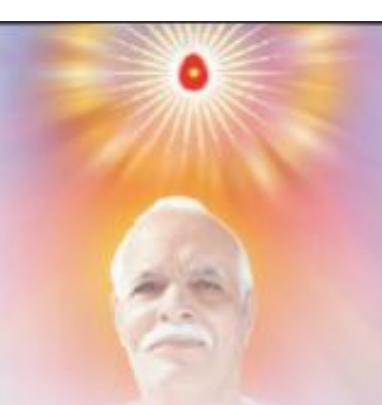
❷ वह स्थूल सम्पत्ति नहीं, नॉलेज की सम्पत्ति, शक्तियों रूपी सम्पत्ति की देवी अर्थात् देने वाली।

❸ तो जो यह चित्र बनाया है, ऐसी सम्पत्ति की देवी बनना है।

25.01.76



अव्यक्त पालना का रिटर्न



प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न: मीठे बाबा, चाहे नॉलेज देवे, चाहे शक्तियाँ देवे।
ऐसा जो यादगार चिल है, चेतन में अपने को ऐसा
अनुभव करने के लिए बाबाआप क्या समझानी देगे?

उत्तर: मीठे बच्चे, इसी प्रमाण यादगार में भी नम्बर हैं।
कोई हर समय देने वाले होते है।

- 1** एक सेकेण्ड भी कोई आपके सामने आवे तो भी
दृष्टि से ऐसा अनुभव करे कि मैंने कुछ पाया है।
- 2** तब कहेंगे देने वाली देवी। अब चाहिये यह सर्विस,
तब ही विश्व का कल्याण होगा।
- 3** इतनी सभी आत्माओं को देना तो ज़रूर है, तो
हमारा देने का स्वरूप सूक्ष्म और अति शक्तिशाली
हो।

25.01.76

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, सदा आपके साथ का अनुभव करने वाली आत्माओं के बारे में कुछ बताइये ।

बापदादा :- मीठे बच्चे,

* जो सदा साथ का अनुभव करेंगे, वे कभी किसी देहधारी के साथ की आवश्यकता अनुभव नहीं करेंगे।

* कभी भी किसी सेवा में देहधारी का आधार नहीं लेंगे।

* मर्यादा प्रमाण, संगठन प्रमाण सहयोग लेना अलग बात है।

* बाकी किसी परिस्थिति में देहधारी की याद आये कि यह मुझे परिस्थिति से पार करेंगे, राय देंगे या सहारा देंगे।

* इससे सिद्ध है कि सर्वशक्तिवान् का सहारा सदा साथ नहीं रहता।

25.01.76

भक्तिमार्ग में लक्ष्मी को महादानी
 दिखाते हैं तो महादानी की निशानी
 कौन-सी दिखाते हैं? बाबा कहते हैं ->

25-1-76
 मकवान वॉली का
 मुख्य बिंदु

1) (लक्ष्मी का हाथ सुला,
 देने के रूप में दिखाया है)

1) यह शक्तियों का
 यादगार है
 लक्ष्मी मंत्राति
 सम्पत्ती की देवी

3) तो जो
 यह चित्र
 बनाया है
 ऐसी

->

सम्पत्ती

की

देवी

बनना

2) यह स्थूल
 सम्पत्ती नहीं,
 नॉलेज की सम्पत्ती,
 शक्तियों की सम्पत्ती
 की देवी मंत्राति
 देने वाली



25-01-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं लक्ष्मी हूँ।



लक्ष्मी अर्थात् नॉलेज की सम्पत्ति, शक्तियों रूपी सम्पत्ति देने वाली। सदा साथियों के साथ स्नेह का साथ निभाने वाली।

25-01-76

डबल लाइट स्वरूप बनी

यह शक्तियों का यादगार
है। लक्ष्मी अर्थात्
सम्पत्ति की देवी।
वह स्थूल सम्पत्ति
नहीं, नॉलेज की सम्पत्ति
शक्तियों रूपी सम्पत्ति
की देवी अर्थात् !
देने वाली।

देने वाली देवी

साथी

एक सेकेण्ड
भी कोई आपके
सामने आवे तो भी
दृष्टि से ऐसे अनुभव
करे कि मैंने कुछ
पाया है।

अपने को
सदा बाप-दादा
के साथ अनुभव
करते हो ?

